हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-09 हरिद्वार, शनिवार,15 मार्च, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

प्रदेशवासियों को रंगों से भरे पर्व होली की शुभकामनाएं : सीएम

देहरादून ,संवाददाता । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नगर निगम देहरादून द्वारा आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नगर निगम देहरादून में वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता बनाये रखने के उद्देश्य से बनाई गई ई-कोष वेबसाईट का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को हर्ष, उल्लास, उमंग और रंगों से भरे पर्व होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व समाज में सांस्कृतिक एकता को मजबूती प्रदान कर समरसता की भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि हमारी इस सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए सभी को निरंतर प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी ट्रिपल इंजन की सरकार देहरादून के प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को और अधिक बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। देहरादून

नगर निगम द्वारा जहां एक ओर उच्च कोटि की जन सुविधाएँ प्रदान करने के लिए कार्य किये जा रहे हैं, वहीं शहर में स्वच्छता को और भी अधिक बेहतर बनाने का प्रयास भी किया जा रहा है। केदारपुरम में 3.5 हेक्टेयर भूमि पर 5 करोड़ की लागत से योगा पार्क बनाया जा रहा है और यमुना कालोनी में 1.3 करोड़ रूपए की लागत से एक नए पार्क का निर्माण किया जा रहा है। विभिन्न पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं उच्च कोटि की कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था बनाए जाने के लिए 2 स्थानों पर मैकेनाईज्ड ट्रांसफ़र स्टेशन स्थापित करने और वार्डों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 3 पर्यावरण मित्रों को प्रत्येक माह स्वच्छता सेनानी सम्मान योजना के अन्तर्गत दस हजार रूपये प्रति माह का सम्मान भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम द्वारा भवन कर का भुगतान के लिए ऑनलाइन सुविधा देने के साथ ही वित्तीय प्रकरणों में पारदर्शिता बनाये रखने के उद्देश्य से ई-कोष वेबसाईट तैयार की गयी है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में नगर निगम देहरादून को देश में 68 वां तथा उत्तराखण्ड के सभी नगर निगमों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस वर्ष देहरादून की स्वच्छता रैंकिंग में और अधिक सुधार आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य की जन भावनाओं के अनुरूप राज्य के विकास के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। विधानसभा में उत्तराखंड का भू कानून के लिए विधेयक पारित किया जा चुका है। राज्य की जनभावनाओं के अनुरूप सख्त भू कानून लाया जा रहा है। सामान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है। यूसीसी महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नया अध्याय लिख रहा है और महिलाओं के लिए सुरक्षा कवच साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यूसीसी की ये गंगा देश के हर राज्य को लाभ देने का कार्य करेगी। उत्तराखण्ड में निवेश के लिए निवेशको का रूझान तेजी से बढ़ रहा है, उनको सिंगल विंडो सिस्टम से अनुमतियां प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 04 जुलाई 2021 को शपथ लेने के बाद उन्होंने राज्य में सरकारी विभागों में सभी रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया था। इस साढ़े तीन साल में 20 हजार से अधिक युवाओं को राज्य में नौकरी दी गई है। यह कालखण्ड रोजगार का कालखण्ड भी है। मेयर देहरादून श्री सौरभ थपलियाल ने होली मिलन कार्यक्रम में सीएम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सीएम के मार्गदर्शन में राज्य ऊंचाईयों की ओर अग्रसर है। सरकार आम जन की भावनाओं के अनुरूप नीतियों को लागू कर रही है जिससे उन्हें अधिकतम लाभ मिल सके। मेयर ने शहर के समस्त नागरिकों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहर वासियों को बेहतर जन सुविधाएं देने के लिए नगर निगम प्रयासरत है। सहस्त्रधारा स्थित पूर्व ट्रेंचिंग ग्राउंड के लीगेसी वेस्ट को 2025 तक समाप्त कर दिया जाएगा।

इसके बाद इस स्थल को आम जन के लिए सुरक्षित व्यापक हाट बाजार में तब्दील किए जाने की योजना है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, विधायक श्री खजान दास, सविता कपूर, श्री दुर्गेश्वर लाल, पूर्व मेयर श्री सुनील उनियाल गामा, अन्य जनप्रतिनिधिगण, नगर आयुक्त श्रीमती नमामि बंसल, नगर निगम के अधिकारी ओर कर्मचारी उपस्थित थे।

रुड़की में हिंदु और मुस्लिमों ने पेश की सद्भावना की मिशाल

रुड़की,संवाददाता । होली के दिन रुड़की नगर के मोहल्ला सोत स्थित जामा मस्जिद में जुमे की नमाज के समय मुस्लिम समाज के लोगों ने हिंदू समाज के लोगों को रंग और होली की टोपियों पेश कर होली की मुबारकबाद दी। वहीं, हिन्दू भाइयों ने भी मुस्लिमों को अफ्तार के लिए गुजिया भेंट की। सोत और सत्ती मोहल्ले के पार्षदों शिवम अग्रवाल और संजीव राय टोनी सहित अनेक हिन्दू भाइयों ने रोजा अफ्तार के लिए गुंजिया के डिब्बे पेश किए। उत्तराखंड नागरिक सम्मान समिति के संयोजक अंतरराष्ट्रीय शायर अफजल मंगलौरी ने बताया कि पिछले बारह वर्षों से पार्षद संजीव राय टोनी जामा मस्जिद में रात को नमाज तरावीह के समय पीने के पानी के कैम्पर रखवाते चले आ रहे हैं। जबकि रामलीला व गुरु पर्व के जुलूस के अवसर पर कुछ मुस्लिम समुदाय के लोग प्याऊ लगाते हैं। यही रुड़की नगर की एकता की मिसाल वर्षों से चली आ रही है। समाजसेवी मनोज अग्रवाल व बाबूराम सैनी ने कहा कि रुड़की हमेशा हिन्दू मुस्लिम एकता व सद्भावना का नगर रहा है। मुफ्ती मोहम्मद सलीम अहमद ने कहा कि इस्लाम धर्म सभी धर्मों के सम्मान और मानवता का सन्देश देता है। वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर मुजीब मलिक ने होली और जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से कराए जाने पर प्रशासन व पुलिस का आभार व्यक्त किया। रमजान के दूसरे जुमे की नमाज मुफ्ती मोहम्मद सलीम ने पढ़ाई। नमाज से पूर्व अपने खुत्बे में मदरसा अरबिया रहमानिया के प्रधानाचार्य मौलाना अहजहरुल हक ने रमजान की फजीलत बयान की। इस अवसर पर काजी शकील अल्वी, पार्षद चौधरी मोहम्मद ताहिर, सुमित चौहान, मौलाना अरशद कासमी, समाजसेवी मोफीक अहमद, अमित वर्मा, मोहम्मद दानिश, शम्भू प्रसाद, हाजी मोहम्मद सलीम खान, जावेद अख्तर एडवोकेट, हाजी नौशाद अहमद, शेख अहमद जमा, हाजी लुकमान कुरैशी, इरशाद पहलवान, काजी नसीम अहमद, कौसर सिद्दीकी एडवोकेट, सुरेंद्र सैनी, अताउर रहमान अंसारी, सोहेब मलिक, दिनेश सैनी, शेख महताब अली आदि मौजूद रहे।

पार्षद अकार्षिका शर्मा की मांग पर जिलाधिकारी ठेका स्थानांतरण को तैयार

हरिद्वार,संवाददाता । नंबर -60 हरिलोक, हरिद्वार की पार्षद आकर्षिका शर्मा ने जूर्स कंट्री के बाहर विगत तीन दिनों से चल रहे धरना प्रदर्शन का स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर सफल नेतृत्व किया। यह धरना क्षेत्र में स्थित शराब के ठेके के स्थानांतरण की मांग को लेकर किया गया था, जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी गहरी चिंताएँ थीं। धरना के दौरान प्रशासन की ओर से सहयोग न मिलने पर पार्षद श्रीमती आकर्षिका शर्मा ने अपना विरोध भी प्रकट किया और स्थानीय नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद की। इसके परिणामस्वरूप, आज पार्षद ने जिलाधिकारी महोदय को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें ठेके के स्थानांतरण को लेकर उचित कार्रवाई की मांग की गई।

जिलाधिकारी महोदय ने इस संबंध में त्वरित निर्णय लेते हुए आश्वासन दिया कि डेढ़ से दो माह के भीतर ठेके का स्थानांतरण सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी महोदय ने एक जांच समिति गठित करने की सहमति दी, जिसमें जिलाधिकारी कार्यालय, बाल कल्याण समिति, स्थानीय प्राधिकरण तथा एक अन्य प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। यह समिति ठेके के स्थानांतरण से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेगी और उचित सिफारिशें प्रस्तुत करेगी। इस सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए पार्षद आकर्षिका शर्मा ने कहा, "यह हमारी तीन दिवसीय जनता की लड़ाई की एक सकारात्मक जीत है। यह केवल एक शराब ठेके का मामला नहीं था, बल्कि हमारे क्षेत्र की महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का सवाल था। प्रशासन ने हमारी मांगों को स्वीकार किया है, और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि निर्णय समय पर लागू हो। भविष्य में भी, हम क्षेत्रवासियों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए ऐसे ही कार्य करते रहेंगे। यह आंदोलन क्षेत्रवासियों की एकजुटता और पार्षद आकर्षिका शर्मा की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रतीक बन गया है।

जस्टआन्सर के सीईओ व बेलारूस प्रतिनिधिमंडल ने डॉ.पंडया से की भेंट

हरिद्वार,संवाददाता । जस्ट आन्सर के संस्थापक और सीईओ एंडी कुर्ट्जगि ने शांतिकुंज में गायत्री परिवार प्रमुख डॉ. प्रणव पण्ड्या और शैलदीदी से भेंट कर भारतीय संस्कृति और अध्यात्म को लेकर गहन मंत्रणा की। उन्होंने देसंविवि के प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पण्ड्या से प्रौद्योगिकी, शिक्षा और आध्यात्मिक विकास तथा समग्र शिक्षा के माध्यम से सामाजिक उत्थान जैसे विषयों पर चर्चा की। साथ ही इन क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार साझा किया। कुर्ट्जगि ने प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विधाओं के साथ जोड़ने के विश्वविद्यालय के अभिनव दृष्टिकोण पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं, बेलारूस की अक्साना पाखाबावा के नेतृत्व में आठ सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का देवसंस्कृति विवि में स्वागत किया गया।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार का बोलबाला

देश के तमाम अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री इस विषय पर एकमत है कि भारत के विकास की राह में दो सबसे बड़े रोड़े हैं । पहला अनियंत्रित जनसंख्या और दूसरा बेकाबू भ्रष्टाचार। इस समय भ्रष्टाचार का मुद्दा ज्वलंत है क्योंकि चारों ओर से भ्रष्टाचार की खबरें आ रही है।हाल ही में इंदौर नगर निगम में फर्जी बिल कांड की अनेक ऐसी परतें खुलती गई कि तमाम नागरिक चिंतित हो गए।इंदौर नगर निगम का यह घोटाला एकमात्र नहीं है ऐसे कई घोटाले हैं इंदौर नगर निगम में हुए हैं।दरअसल, प्रदेश के सभी 16 नगर निगम का ईमानदारी से ऑडिट किया जाए तो इंदौर नगर निगम की तरह सभी में इस तरह के घोटाले और फर्जी बिल कांड सामने आएंगे।फर्जी बिल लगाने का मामला केवल स्थानीय निकाय से जुड़ा नहीं है यदि राज्य और केंद्र शासन के सभी विभागों का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए तो सभी जगह इस तरह से फर्जी कांड करते सरकारी अधिकारी और कर्मचारी मिल जाएंगे।सरकारी तंत्र केवल ठेके परमिट में ही भ्रष्टाचार नहीं करता, सरकारी एजेंसियां जांच में भी भ्रष्टाचार करती है।मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच करते समय जिस तरह सीबीआई के अधिकारियों ने रिश्वत खाई उस सब पता चलता है कि सारे कुएं में ही भ्रष्टाचार की भांग मिली हुई है।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पिछले दिनों भोपाल में बैठक कर प्रशासनिक अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामले में कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। उम्मीद की जानी चाहिए कि इन निर्देशों को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित किया जाएगा। भारत में भ्रष्टाचार की स्थिति यह है कि 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' द्वारा 'भ्रष्टाचार बोध सूचकांक' 2023 (ष्टक्कड्ड) में काफी नीचे का स्थान प्राप्त किया।यानी भारत उन देशों में ऊपर के क्रम में है जहां सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार का बोलबाला है।यह बेहद शर्मनाक है।जिस भी अधिकारी या सरकारी कर्मचारी यहां छापा पड़ता है, लाखों करोड़ों की संपत्ति बरामद होती है।आय से अधिक संपत्ति के मामले जितने पिछले 10 वर्षों में बढ़े हैं उतने शायद 60 वर्षों में भी सामने नहीं आए होंगे ! एक रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश के सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार एक आदत बन गई है।आमजन मजबूरी में इसे शिष्टाचार भी कहने लगे हैं।कुल मिलाकर स्थिति बहुत ही भयावह है।भ्रष्टाचार का यह सिलसिला कहां जाकर, कब और कैसे थमेगा कहा नहीं जा सकता।दरअसल,सरकारी प्रक्रियाओं, निर्णय लेने और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता की कमी भ्रष्ट आचरण के लिये अधिक अवसर प्रदान करती है।जब कार्यों तथा निर्णयों को सार्वजनिक जांच से बचाया जाता है, तो अधिकारी जोखिम के कम डर के साथ भ्रष्ट गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं।कानूनों और विनियमों को लागू करने के लिए ?म्मेदार भारत की कई संस्थाएं या तो कमज़ोर हैं या समझौतावादी हैं।इसमें कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ, न्यायपालिका और निरीक्षण निकाय शामिल हैं।कमज़ोर संस्थाएं भ्रष्ट व्यक्तियों को जवाबदेह ठहराने में विफल हो जाती हैं, इससे भ्रष्टाचारी निर्भय होकर कदाचरण करते हैं।

रेरा मकान खरीदारों को राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने स्वागतयोग्य हस्तक्षेप किया है। न्यायमूर्तियों ने जो टिप्पणियां कीं, वे सबूत हैं कि रेरा मकान खरीदारों को तनिक भी राहत नहीं दिला पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के %फिरौती वसूली' जा रही है। पूर्व यूपीए सरकार के समय जब रियल एस्टेट विनियमन प्राधिकरण (रेरा) कानून पारित हुआ, तो उससे मकान खरीदारों में ऊंची उम्मीदें जगी थीं। कहा गया था कि अब आखिरकार ज्यादातर मध्य वर्ग के खरीदारों को बिल्डरों की तिकड़मों से मुक्ति मिलेगी।

मगर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में जो जाहिर हुआ और उस पर न्यायमूर्तियों ने जो टिप्पणियां कीं, वे सबूत हैं कि रेरा मकान खरीदारों को तनिक भी राहत नहीं दिला पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के %लाचार मकान खरीदारों' से फिरौती वसूली जा रही है। कोर्ट ने जो सवाल पूछे हैं, उनमें एक यह भी है कि खरीदारों को रेरा से क्या राहत मिली है? हालांकि कोर्ट में सुनवाई एनसीआर से जुड़े मामलों की हो रही थी, लेकिन अंदाजा लगाया जा सकता है कि जो हाल यहां है, बाकी जगहों के खरीदारों की स्थिति उससे बेहतर नहीं होगी।

इसलिए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का संदर्भ बड़ा है। कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि वह बिल्डर- बैंक मिलीभगत की पूरी जांच करे। जजों ने इसके लिए विशेष जांच दल बनाने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि बिल्डरों और खरीदारों को कर्ज देने वाले बैंकों ने मिल कर खरीदारों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इनकी वजह से आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने में देर हुई है। कोर्ट ने खास चिंता उन मामलों पर जताई, जिनमें रियल एस्टेट कंपनियों ने दिवालिया प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामला हजारों मकान खरीदारों की याचिका से कोर्ट के सामने आया है। इसमें ध्यान दिलाया गया है कि बैंक ऋण की रकम का भुगतान सीधे बिल्डरों को करते हैं।

तब बताया जाता है कि फ्लैट सौंपे जाने तक ईएमआई बिल्डर चुकाएंगे। मगर बिल्डर ईएमआई पर डिफॉल्ट करने लगते हैं और तब त्रिपक्षीय करार के मुताबिक बैंक खरीदारों से ईएमआई वसूलने लगते हैं।

खरीदारों की पीड़ा पर दो जजों की बेंच ने गहरी नाराजगी जताई। कहा कि वे इस घपले की सीबीआई जांच का आदेश देंगे। यह स्वागतयोग्य हस्तक्षेप है। मगर इस मामले ने भारत में विनियमन और अनुचित व्यापार व्यवहार की निगरानी की हकीकत को बेनकाब कर दिया है।

ब्रज की अनोखी व परंपरागत विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली

अशोक "प्रवृद्ध"

होलिकोत्सव का पर्व सम्पूर्ण भारत में हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाए जाने की अत्यंत प्राचीन, वृहत, भव्य व पौराणिक परिपाटी है, लेकिन उत्तर प्रदेश में वृन्दावन और मथुरा की होली की बात ही निराली है। यहां यह होली लट्ठ अर्थात लाठियों के सहारे खेली जाती है, इसलिए इसका नाम लट्ठ अथवा लठमार होली है। मथुरा, वृन्दावन आदि क्षेत्रों में खेली जाने वाली इस अनोखी और परंपरागत होली- लठमार (लट्ठमार) होली का अपना अलग ही विशिष्ट महत्त्व है। लट्ठमार होली भारत का एक प्रमुख त्योहार है। यह राधा और श्रीकृष्ण के निवास स्थान के रूप में प्रसिद्ध क्रमश: बरसाना और नंदगांव में विशेष रूप से मनाया जाता है। विश्वप्रसिद्ध बरसाना की लट्ठमार होली फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाई जाती है। इस दिन नंदगांव के ग्वाल- बाल बरसाना होली खेलने आते हैं और अगले दिन फाल्गुन शुक्ल दशमी को ठीक इसके विपरीत बरसाना के ग्वाल -बाल होली खेलने नंदगांव जाते हैं। इस दौरान इन ग्वालों को होरियारे और ग्वालिनों को हुरियारिन के नाम से सम्बोधित किया जाता है। परंपरा के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को बरसाने में मनाई जाने वाली लट्ठमार होली के दिन नंदगांव के ग्वाल बालों के बरसाना होली खेलने आने के अवसर पर बरसाने की महिलाओं के हाथ में लट्ठ (लाठी) रहता है, और नंदगांव के पुरुष (गोप) राधा के मन्दिर लाडलीजी पर ध्वज अर्थात झंडा फहराने की कोशिश करते हैं, उन्हें बरसाना की महिलाओं के लट्ठ से बचना होता है। मान्यता है कि इस दिन सभी महिलाओं में राधा की आत्मा बसती है और पुरुष भी हंस- हंस कर लाठियां खाते हैं, लट्ठ की मार सहते हैं। आपसी वार्तालाप के लिए श्रीकृष्ण और राधा के बीच वार्तालाप पर आधारित होरी गाई जाती है। महिलाएं पुरुषों को लट्ठ मारती हैं, लेकिन गोपों को किसी भी तरह का प्रतिरोध करने की इजाजत नहीं होती है। उन्हें सिर्फ गुलाल छिड़क कर बरसाने की इन महिलाओं को चकमा देना होता है। अगर वे पकड़े जाते हैं, तो उनकी जमकर पिटाई होती है या स्त्रियों के वस्त्र पहनाकर और महिलाओं के सदृश्य श्रृंगार इत्यादि करके उन्हें नृत्य करवाया जाता है, सरेआम नचाया जाता है। अगले दिन फाल्गुन शुक्ल दशमी को बरसाना के ग्वाल बाल होली खेलने नंदगांव जाते हैं। वहां भी यही प्रक्रिया दुहराई जाती है। इस वर्ष **2025** में 8 मार्च दिन शनिवार फाल्गुन शुक्ल नवमी को बरसाना में लट्ठमार होली, 9 मार्च दिन रविवार फाल्गुन शुक्ल दशमी को नंदगांव में लट्ठमार होली मनाई जाएगी। 10 मार्च दिन सोमवार फाल्गुन शुक्ल एकादशी को आमलकी रंगभरी एकादशी के दिन मथुरा में लट्ठमार होली मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यतानुसार द्वापर युग में होली खेलने आए श्रीकृष्ण को बरसाना की गोपियों ने नर्तन, नृत्य कराया था, नचाया था। यह भी मान्यता है कि द्वापर युग में होली पर रंग खेलने की परंपरा राधा व श्रीकृष्ण द्वारा ही प्रारंभ की गई थी। दो सप्ताह तक चलने वाली इस लट्ठमार होली का माहौल बहुत मस्ती भरा होता है। सम्पूर्ण वातावरण उल्लासमय होता है। इस खुशनुमा अवसर पर सिर्फ प्राकृतिक रंग-गुलाल का प्रयोग किए जाने के कारण माहौल बहुत ही सुगंधित रहता है। अगले दिन यही प्रक्रिया नंदगांव में पुन: दोहराई जाती है। वहां की गोपियां, बरसाना के गोपों की जमकर धुलाई करती है। अपनी लाठी के मार से रंग व गुलाल के माध्यम से बचते बरसाना के ग्वालों का स्वागत करती हैं। और फिर विगत दिन की भांति ही लट्ठमार होली नंदगांव में खेली जाती है। लट्ठमार होली की उत्पत्ति के विषय में पौराणिक कथाएं मूलत: राधा-श्रीकृष्ण के प्रेम -प्रसंगों पर आधारित हैं। कथा के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण अपने मित्रों के साथ नंदगांव से अपनी प्रेमिका राधा और उनकी सखियों पर रंगों का छिड़काव करने के लिए बरसाना आते हैं। लेकिन श्रीकृष्ण और उनके मित्रों के बरसाना में प्रवेश करते हैं, वहां राधा और उनकी सखियां उनका लाठियों से स्वागत करती हैं। अपनी लट्ठों से उन्हें तंगोंतबाह कर देती हैं। इसके बचाव में श्रीकृष्ण व उनके मित्रों के भागमभाग व विभिन्न करतब व नर्तन के बीच फिर लट्ठमार होली शुरू जाती है। मान्यता है कि इसी हास्य विनोद का अनुसरण करते हुए प्रतिवर्ष होली के अवसर पर नंदगांव के ग्वाल -बाल बरसाना आते हैं, और बरसाने की महिलाओं द्वारा रंग और लाठी से उनका स्वागत किया जाता है। नंदगांव के पुरुषों पर बरसाना की महिलाओं द्वारा रंगों का छिड़काव किए जाने का यह उत्सव, चंचलता से लाठियां चलाना, नृत्य करना आदि अत्यंत मनमोहक होता है, और देखते ही बनता है। यह त्योहार लगभग एक सप्ताह तक चलता है और चैत्र कृष्ण पंचमी रंग पंचमी के दिन समाप्त हो जाता है। इस वर्ष 2025 में19 मार्च दिन बुधवार को रंगपंचमी है। लट्ठमार होली ब्रज क्षेत्र में अत्यंत प्रसिद्ध त्योहार है। होली आरंभ होते ही सबसे पहले ब्रज रंगों में डूबता है। और यहां की लोकप्रिय बरसाना की लट्ठमार होली की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। बरसाना राधा का जन्मस्थान है। इसलिए मथुरा के पास स्थित बरसाना में होली अपने रंग में कुछ दिनों पहले ही रंगनी शुरू हो जाती है। मथुरा, बरसाना और नंदगांव के समीपस्थ क्षेत्रों में होली का उत्सव बसंत पंचमी से ही शुरु हो जाता है। और यह उत्सव लगभग 40 दिनों का होता है, जो रंग पंचमी के दिन तक चलता है। मथुरा के आस-पास के गांव में मनाई जाने वाली विश्वप्रसिद्ध होली को देखने के लिए देश- विदेशों से भारी संख्या में लोग मथुरा आते हैं। बसंत पंचमी के दिन से प्रतिवर्ष ब्रज में होली की शुरुआत हो जाती है और इसका समापन रंगनाथ मंदिर में होली खेलकर किया जाता है। होलाष्टक से ब्रज के मंदिरों में होली खेलना शुरू हो जाता है, जिसकी शुरुआत बरसाने की लट्ठ मार होली से होती है। इसके बाद लट्ठमार होली होती है। भगवान श्रीकृष्ण के नंदगांव और राधा रानी के गांव बरसाने में मुख्य रूप से लट्ठमार होली की परंपरा अत्यंत प्राचीन काल से चली आ रही है। लट्ठमार होली से पहले यहां फूलों की होली और रंगों की होली खेली जाती है, जिसका एक विशेष महत्व माना जाता है। वस्तुत: लट्ठमार होली दो दिन खेली जाती है। एक दिन बरसाने में और एक दिन नंदगांव में खेली जाती हैं, जिसमें बरसाने और नंदगांव के युवक और युवतियां भाग लेती हैं। एक दिन बरसाने में नंदगांव के युवक जाते हैं और बरसाने की हुरियारिन उन पर लट्ठ बरसाती हैं और दूसरे दिन बरसाने के युवक नंदगांव पहुंचकर लट्ठमार होली की परंपरा को निभाते हैं।

मर्सिडीज एक्सीडेंट में गिरफ्तार हुआ मौत का सौदागर

-जीजा की कार को 70 की स्पीड़ से दौड़ा रहा था आरोपी
-हिट एण्ड रन मामले में चार की गई जान

देहरादून,संवाददाता । राजधानी देहरादून में बुधवार 12 मार्च को देर रात को तेज रफ्तार मर्सिडीज कार का कहर देखने को मिला था। बेकाबू मर्सिडीज कार ने 6 लोगों को कुचल दिया था, जिसमें चार की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद से ही मर्सिडीज का ड्राइवर फरार था, जिसके पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पुलिस ने देहरादून आईएसबीटी के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी की उम्र 22 साल है और बीबीए का छात्र है। आरोपी मूल रूप से यूपी के मुरादाबाद का रहने वाला है, जो देहरादून में नौकरी के सिलसिले में आया था। मर्सिडीज कार आरोपी के जीजा की है, जिस वक्त ये हादसा हुआ, कार में आरोपी के साथ उसका 12 साल को भांजा भी बैठा हुआ था। आरोपी बुधवार रात को अपने भांजे को लेकर खाने-पीने के लिए निकला था।

पुलिस के अनुसार भांजे के कहने पर आरोपी एक राउंड मसूरी की तरफ घूमने निकल गया था। वहीं से लौटते समय राजपुर रोड पर साईं मंदिर के पास रात को करीब 8.20 बजे आरोपी तेज रफ्तार कार को काबू नहीं कर पाया और उसने सड़क किनारे चल रहे चार लोगों को कुचल दिया था, जिनकी मौत हो गई है। इसके अलावा आरोपी ने स्कूटी सवार दो अन्य लोगों को भी टक्कर मारी थी, जिनका हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में जान गवाने वाले मंशाराम के चाचा ने पुलिस को तहरीर दी थी, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

थाना राजपुर क्षेत्रान्तर्गत उत्तरांचल हॉस्पिटल, निकट साई मन्दिर के पास सड़क पर एक चण्डीगढ नम्बर की मर्सिडीज कार चालक ने वाहन को तेजी व खतरनाक ढंग से चलाते हुए पैदल जा रहे 4 व्यक्तियों व एक स्कूटी यूके 07-एई-5150 को टक्कर मार दी, जिसमें पैदल जा रहे 4 व्यक्तियो की मौके पर मृत्यू हो गयी तथा स्कूटी सवार 2 व्यक्ति घायल हो गये। घटना के सम्बन्ध में मृतक मंशाराम के चाचा संजय कुमार की दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया।

घटना के अनावरण के लिए एसएसपी ने अलग-अलग टीमें गठित की। घटना की प्रारम्भिक जांच में प्रत्यक्षदर्शियों से घटना में मर्सिडीज या उससे मिलते जुलते वाहन के संलिप्त होने की जानाकरी दी गई। जिस पर गठित टीमों ने लगातार सीसीटीवी फुटेज तथा एएनपीआर कैमरों की सहायता सेघटना में शामिल मर्सिडीज जैसे वाहन की तलाश की गई तो घटना के समय घटना स्थल के पास से ऐसे कुल 11 वाहनों के गुजरने की जानकारी प्राप्त हुई, जिनमें से एक वाहन संख्या सीएच 01 सीएन 0665 रंग सिल्वर ग्रे के एक साइड से क्षतिग्रस्त होने की पुलिस टीम को फुटेज प्राप्त हुई। जिस पर संदिग्धता के आधार पर पुलिस टीम द्वारा उक्त वाहन के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गई तो उक्त वाहन हरबीर आटोमोबाइल्स एजेंसी, जिनके चण्डीगढ में महिन्द्रा के शोरूम हैं, उसने रजिस्टर्ड कराया जाना पाया गया। जिस पर तत्काल रात्रि में ही एक टीम को चण्डीगढ रवाना किया गया। जहां टीम ने वाहन की जानकारी की गई तो हरबीर आटोमोबाइल्स ने फरवरी 2023 में उक्त वाहन को खरीदे जाने की जानकारी प्राप्त हुई। हरवीर आटोमोबाइल्स ने जून 2023 में उक्त वाहन को दिल्ली के डीलर विन्नी आटोहब को बेचा गया। जानकारी के आधार पर तत्काल एक टीम को दिल्ली रवाना किया गया, जहां जानकारी करने पर वाहन को विन्नी आटोहब द्वारा अपने एक अन्य एंजेसी दिल्ली कार मॉल को ट्रांसफर करना ज्ञात हुआ।

घटना के बाद पुलिस ने लगातार चलाये जा रहे चौकिंग एंव सर्च अभियान के दौरान पुलिस टीम ने वाहन को सहस्त्रधारा स्थित एक खाली प्लाट के पास से बरामद किया था। वाहन के सम्बन्ध में आस-पास के लोगों से पूछताछ करने पर पास के ही एक फ्लैट में रहने वाले मोहित मलिक नाम के व्यक्ति ने बताया गया कि इस वाहन को उनके परिचित वंश कत्याल ने रात्रि में वंहा खडा किया है। रात्रि में वाहन को खडा करने के बाद वंश ने उससे फोन पर सम्पर्क कर बताया गया था कि उसके वाहन में कुछ तकनीकि खराबी आ गयी है तथा उसने अपने भांजे को जाखन छोडने के लिये उनसे उनकी स्कूटी मांगी थी तथा स्कूटी की चाभी उनके घर से ली थी, रात्रि में अपने भांजे को छोडने के बाद वंश कत्याल उनकी स्कूटी उन्हें वापस देकर चला गया था। वाहन स्वामी जतिन प्रसाद वर्मा से पूछताछ में भी उसने उक्त वाहन को उसके साले वंश के ले जाने की जानकारी दी। जिस पर पुलिस टीम ने वंश के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए करते हुए वंश को आईएसबीटी के पास से गिरफ्तार किया गया।

राजधानी देहरादून के वीआईपी क्षेत्र राजपुर रोड में हुए हिट एण्ड रन के मामलें में चार लोगों की जान जाने की जानकारी मिलते ही गढ़वाल परिक्षेत्र के आईजी राजीव स्वरूप की निगरानी के चलते 24 घंटे में मामले का खुलासा देहरादून पुलिस ने किया। आईजी राजीव स्वरूप खुद मामले की निगरानी करते हुए पुलिस टीमों को निर्देश दे रहे थे और पल-पल की मामले की खबर ले रहे थे। राजीव स्वरूप व्यक्ति गत रूप से दिल्ली व चण्डीगढ़ पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर पुलिस टीम के सहयोग करा रहे थे। जिसके कारण मामले का चंद की घंटों में खुलासा हो सका। आईजी गढ़वाल का दोनो राज्यों की पुलिस से अच्छे संबधं हैं।

सर्विलांस लॉ एंड आर्डर मजिस्ट्रेट का प्रथम दायित्व: डीएम

देहरादून,संवाददाता । सीएम के जनसुरक्षा के संकल्प को जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी व सीईओ स्मार्ट सिटी लि. सविन बसंल ने स्मार्ट सिटी का चार्ज ग्रहण करते ही शहर में जनसुरक्षा के दृष्टिगत लगाए गए कैमरों की कैमरावार गहन समीक्षा बैठकें कर शहर में निष्क्रीय कैमरों को क्रियाशील करवाया।

राजपुर रोड सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर 60 कैमरो को पिछले माह की किया गया क्रियाशील किया गया जिनमें मसूरी डाईवर्जन, साईमन्दिर के कैमरे शामिल है, इससे कल हुई हिट एण्ड रन की घटना में कार तक पकड़ने में पुलिस को सहायता मिली।

डीएम ने सीईओ स्मार्ट सिटी का चार्ज संभालते समय स्मार्ट सिटी के 950 में से 375 कैमरे खराब थे। जिनकी जिलाधिकारी ने कई समीक्षा बैठक लेते हुए कम्पनियों पर सख्ती बनाते हुए पैनल्टी लगाई। फलरूप निष्क्रीय 375 कैमरे में से 310 कैमरे क्रियाशील करा दिए गए हैं। शेष कैमरे क्रियाशील करने के लिए 15 अप्रैल तक का समय दिया गया है, उक्त अवधि में कार्य न होने पर एचपी पर ब्लैकलिस्ट व प्राथमिकी तथा बीएसएनएल पर कार्यवाही की सख्त चेतावनी दी गई है।

वहीं जनसुरक्षा के दृष्टिगत 05 वर्ष में प्रथमबार पुलिस के 150 कैमरे स्मार्ट कन्ट्रोलरूम के साथ इन्टिग्रेट करवाये गए हैं तथा पल्टन बाजार में 22 नए कैमरे लगाए गए है, जिनसे पल्टन बाजार में आए दिन अराजक तत्वों द्वारा की जा रही गतविधि पर भी लगाम लगाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

कोई भी समाज, सरकार, वर्ग, संस्था, समूह व्यक्ति मीडिया की उपेक्षा कर आगे नहीं बढ़ सकता: रंजीता झा

होली मिलन समारोह में हुआ, पत्रकारों का सम्मान

हरिद्वार । संकल्प सेवा परमो धर्म ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं भाजपा महिला मोर्चा, जिला मीडिया प्रभारी रंजीता झा ने कहा वर्तमान समय में मीडिया की उपयोगिता, महत्त्व एवं भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। कोई भी समाज, सरकार, वर्ग, संस्था, समूह व्यक्ति मीडिया की उपेक्षा कर आगे नहीं बढ़ सकता। आज के जीवन में मीडिया एक अपरिहार्य आवश्यकता बन गया है। ऐसे में अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की दशा और दिशा बदलने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया जाना जरूरी है। ऐसा करने से पत्रकारों के मनोबल में वृद्धि होती है और वें पूरी निष्ठा और लगन से अपने कार्य को अंजाम देते है।

संकल्प सेवा परमो धर्म ट्रस्ट की ओर से होली पर्व के उपलक्ष्य में पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले हरिद्वार के पत्रकार बंधुओं को सम्मानित किया गया। श्री पंचमुखी हनुमान दुर्गा मंदिर, राजा गार्डन जगजीतपुर कनखल के प्रांगण में महंत मनकामेश्वर गिरी महाराज के सानिध्य में आयोजित होली मिलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह में महंत मनकामेश्वर गिरी महाराज के सानिध्य में प्रेस क्लब रजि हरिद्वार के पूर्व अध्यक्ष श्रवण कुमार झा, मनीष सिंह(दैनिक जागरण) आनंद गोस्वामी (हिंदुस्तान स्तम्भ) संतोष कुमार (शाह टाईम्स), कमल मिश्रा(मानव जगत) एवं विकास कुमार झा (वीर अर्जुन) को पटका पहना कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मनकामेश्वर गिरी महाराज ने कहा कि पत्रकार समाज के प्रहरी है जो सरकार, शासन , प्रशासन और समाज की निगरानी का कार्य करते हैं। ऐसे में पत्रकारों का भी सम्मान किया जाना चाहिए। होली मिलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह में संस्था के महासचिव पं तरूण शुक्ला, अर्चना झा, संगीता बंसल, सुधा राठौड़, शीत झा एवं पुजारी प्रभु मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय ने शुरु किया केमिकल मुक्त होली रंगों के लिए जागरूकता अभियान

देहरादून,संवाददाता । श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय ने बुधवार को प्राकृतिक रंगों से होली का त्योहार मनाने के लिए जागरूकत कैंपेन शुरू किया है। प्राकृतिक रंगों से होली खेलने का संदेश देकर समाज में जनजागरूकता हेतु यह विश्वविद्यालय की एक नई पहल है। रंगों का निर्माण विश्वविद्यालय के होम साइंस विभाग के शिक्षकों के निर्देशन में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं ने कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत फूलों, हरी सब्जियों, चुकंदर, हल्दी और केशर आदि से किया है। अभियान विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं सोशल मीडिया सेल के सहयोग से चलाया जा रहा है। कैंपेन की शुरुआत करते हुए सबसे पहले प्राकृतिक रंगों के साथ मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के गृह विज्ञान एवं जनसंचार विभाग के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने डीन के साथ श्री दरबार साहिब पहुंचकर श्री झंडा जी में मत्था टेका और श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज को रंग भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री महाराज जी ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, नॉन टीचिंग स्टाफ एवं छात्रों को होली खेलने के लिए प्राकृतिक रंग तैयार कर जागरूकता अभियान चलाने हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के आईटीएस कैंपस में कैंपेन लांच करते समय कुलपति प्रोफेसर कुमुद सकलानी ने कहा कि हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अपनी होम साइंस लैब में कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत प्राकृतिक रंगों को बनाकर न केवल आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल की है बल्कि इस पहल से समाज का ध्यान भी इस दिशा में आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान छात्रों द्वारा अपने मोहल्लों एवं विभिन्न क्षेत्रों में नि:शुल्क प्राकृतिक रंगों का वितरण करके चलाया जाएगा ताकि लोगों का ध्यान इस ओर खींचा जा सके। रजिस्ट्रार डॉ. लोकेश गंभीर, माननीय प्रेजीडेंट के सलाहकार प्रो. जेपी पचौरी ने भी इसे एक अच्छी पहल बताया।

इस कैंपेन में डीन मानविकी एवं सामाजिक संकाय प्रो. प्रीति तिवारी, डीन मैनेजमेंट एवं कॉमर्स स्टडीज प्रो. सोनिया गंभीर, डीन नर्सिंग प्रो. रामा लक्ष्मी, डॉ. सुचिता गेरा, होम साइंस विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. लता सती, डॉ. मोनिका शर्मा, नेहा शर्मा, ट्रेनर स्निग्धा भट्ट, जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आशीष कुलश्रेष्ठ, कैंपेन समन्वयक डॉ. राजेंद्र सिंह नेगी, डॉ. आशा बाला, डॉ. आरती भट्ट एवं गृह विज्ञान के छात्र-छात्राओं का विशेष सहयोग रहा।

बार बार हिन्दू मंदिरों पर हमले बड़ा षडयंत्र!

मनोज कुमार अग्रवाल

कैलिफोर्निया अमेरिका में एक बार फिर हिंदू मंदिर पर हमला किया गया है।बांग्लादेश पाकिस्तान कनाडा और अब अमेरिका सब जगह हिन्दू मंदिरों में तोड़फोड़ आगजनी हिंसा हिन्दू समाज की सहिष्णुता को चुनौती देने का फिरकापरस्त ताकतों की साजिश है ताकि भारत में इसकी प्रतिक्रिया हो और हिन्दू सिख मुसलिम समुदाय के लोगों के बीच परस्पर घृणा विद्वेष फैलाने में कामयाबी हासिल की जा सके। इस बार दक्षिणी कैलिफोर्निया के सबसे बड़े हिंदू मंदिरों में से एक श्री स्वामीनारायण मंदिर को अपवित्र किया गया और इसकी दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए। पिछले कुछ महीनों में यह इस तरह की दूसरी घटना है। स्वामीनारायण मंदिर प्रबंधन ने अपने बयान में बताया है कि हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत का एक और प्रदर्शन करते हुए आपको बता दें कि कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स में उनके मंदिर को निशाना बनाया गया। इसने आगे कहा कि समुदाय कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देगा।

केलीफोर्निया में सबसे बड़े हिंदू मंदिरों में से एक स्वामीनारायण मंदिर के ऊपर हमला किया गया है. इस दौरान मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए हैं. अमेरिका के हिंदू संगठनों ने मंदिर पर हुए हमले की निंदा की है. भारत ने कैलिफोर्निया के चीनो हिल्स में एक हिंदू मंदिर को अपवित्र करने की घटना की रविवार को कड़ी निंदा की और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ ''कड़ी कार्रवाई की मांग की. भारत ने घटना के मद्देनजर पूजा स्थलों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया.

उन्होंने कहा, है कि हम स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों से इन कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और पूजा स्थलों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं।

बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने शनिवार को कहा कि चीनो हिल्स में श्री स्वामीनारायण मंदिर को अपवित्र को किया गया. 'बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स% ने पोस्ट किया कि एक और मंदिर को अपवित्र किया गया तथा इस बार कैलिफोर्निया के चीनो हिल्स स्थित मंदिर में ऐसी घटना को अंजाम दिया गया है.इसने कहा, हिंदू समुदाय नफरत के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है. चीनो हिल्स और दक्षिणी कैलिफोर्निया के लोगों के साथ मिलकर हम कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगे. मंदिर पर हुए हमले को लेकर चिनो हिल्स पुलिस विभाग ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के संगठन ने घटना की निंदा करते हुए पोस्ट किया, एक और हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई। इस बार चिनो हिल्स, कैलिफोर्निया में प्रतिष्ठित बीएपीएस मंदिर में। यह दुनिया में एक

और दिन है, जहां मीडिया और शिक्षाविद इस बात पर जोर देंगे कि हिंदू विरोधी कोई नफरत नहीं है और हिंदूफोबिया सिर्फ हमारी कल्पना की उपज है। आपको बता दें कि उत्तरी अमेरिका की हिंदू संस्थान सीओएचएनए ने एक्स पर अपनी पोस्ट पर लिखा है कि ये कतई चौंकाने वाला नहीं है कि लॉस एंजिल्स में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले ऐसा किया गया है. सीओएचएनए ने अपनी पोस्ट में वर्ष 2022 के बाद से अमेरिका के मंदिरों में तोड़फोड़ कई मामलों की जानकारी दी है और जांच की मांग की है।

सीओएचएनए उत्तरी अमेरिका में हिंदुओं का एक संगठन है. जो उत्तरी अमेरिका में हिंदू धर्म की समझ को बेहतर बनाने और हिंदू समुदाय को प्रभावित करने वाले मामलों के लिए कार्य करता है इस संगठन ने मंदिरों पर हमलो की क्रमवार जानकारी जारी की है इस के अनुसार 3 अगस्त 2022, श्री तुलसी मंदिर क्वींस, न्यूयार्क 16 अगस्त 2022, श्री तुलसी मंदिर क्वींस, न्यूयार्क 30 अक्तूबर 2022, हरि ओम राधाकृष्ण मंदिर, सेक्रामेंटो, कैलिफोर्निया 23 दिसंबर 2023, एसएमवीएस श्रीस्वामी नारायण मंदिर कैलिफोर्निया

1 जनवरी 2024, शिव दुर्गा मंदिर सेंटा क्लारा कैलिफोर्निया 5 जनवरी 2024, श्री आस्था लक्ष्मी मंदिर फ्रेमांट, कैलिफोर्निया 5 जनवरी 2024, विजय शेरावली मंदिर, हेवर्ड, कैलिफोर्निया 11 जनवरी 2024, श्री पंचमुख हनुमान मंदिर डबलिन, कैलिफोर्निया 17 सितंबर 2024, बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर न्यूयार्क 25 सितंबर 2024, बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर, सेक्रामेंटो, कैलिफोर्निया में हिन्दू मंदिरों को निशाना बनाया गया। हिंदू संगठन ने इसके खालिस्तान कनेक्शन की ओर इशारा करते हुए आगे लिखा, %यह आश्चर्य की बात नहीं कि यह तब हुआ जब लॉस एंजिलिस में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह का दिन करीब आ रहा है। दरअसल प्रतिबंधित आतंवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस कनाडा सहित कई देशों में लगतार भारत विरोधी अभियान चला रहा है. 17 नवंबर 2024 को न्यूजीलैंड में भी ऐसा ही अभियान चलाने की कोशिश की गई और भारत विरोधी नारे लगाते हुए खालिस्तान का झंडा लहराया गया. लेकिन न्यूजीलैंड के नागरिकों ने इसका विरोध किया. कुछ दिन पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर के लंदर दौरे के समय भी उनकी कार के सामने खालिस्तान समर्थकों ने विरोध दर्ज कराया था. इससे पहले सैनफ्रांसिस्कों में वर्ष 2022 में भी जनमत संग्रह का प्रयास हुआ था. इसमें खालिस्तान समर्थकों के दो गुट आपस में भिड़ गए थे. इस जनमत संग्रह में पूछा जाता है कि क्या भारत में खालिस्तान नाम का स्वतंत्र राष्ट्र बनना चाहिए? अमेरिका में स्थित एक ग्रुप सिख फॉर जस्टिस अब खालिस्तान की मांग करता रहता है. इसे भारत सरकार ने 10 जुलाई 2019 को यूएपीए के तहत प्रतिबंधित किया था. 2020 में खालिस्तानी समूहों से जुड़े कई लोगों को आतंवादी घोषित किया था. यहीं नहीं खालिस्तान समर्थक दर्जनों वेबसाइट को बंद कराया था. खालिस्तान के समर्थन में 2020 में जनमत संग्रह शुरू किया गया था. यहां आपको यह भी बता दें कि कनाडा में भी पिछले दिनों इसी तरह हिन्दू मंदिरों पर हमले किए जाते रहे हैं और उन के लिए भी खालिस्तान समर्थक चरम पंथियों को जिम्मेदार बताया जाता रहा है। इस के अलावा पाकिस्तान और बांग्लादेश में तो आए दिन हिन्दू मंदिरों के साथ ही हिन्दू नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म और धर्मांतरण की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। भारत के दुश्मन ऐसी हरकतें एक षडयंत्र के तहत करते हैं ताकि भारत में घरेलू अशांति पैदा की जा सके और भारत अपनी तरक्की के रास्ते से हटकर अमेरिका जैसे विश्व शोषक के हाथों की कठपुतली बन जाए इस सब के पीछे कहीं न कहीं विदेशी सरकारों की शह रहती है वरना वहां मंदिरों या हिन्दूओं के खिलाफ पत्ता भी नहीं हिल सकता है भारत सरकार इन घटनाओं पर अपना सख्त विरोध दर्ज कराती रही है। देश भर में इन हमलों को लेकर नाराजगी है। सरकार को इस मामले में गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए आज का भारत किसी विदेशी ताकत की बिल्लियो की लड़ाई में बंदर की भूमिका स्वीकार नहीं करेगा ।

रस, रंग और माधुर्य का पर्व होली

(उमेश कुमार साहू)

होली-मंगलोत्सव भारत वर्ष में मनाया जाने वाला एक प्रसिद्ध लोकपर्व है। रस, रंग, माधुर्य से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व है। यह पर्व कृषि कुसुमित संस्कृति के एक प्रतीक के रूप में भी प्राचीन समय से प्रचलित है। इसकी यह सार्वभौम विशेषता ही है, जिसके कारण देश के हर वर्ग, जाति, धर्म और संप्रदाय के लोग इसे बड़े उत्साह एवं आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति का भी शिक्षण देता है।

बसंत से ही आरंभ हो जाने वाले इस पर्व में जहां एक ओर बासंती रंगों से रंगी प्रकृति सुन्दर छटा बिखेरती है, वहीं दूसरी ओर गुलाल-अबीर से रंगा मानव समुदाय अपनी आंतरिक पुलकन को भी प्रगट करता है। होलिका पर्व निष्क्रिय जड़ता पर जीवंत एवं सजीव चैतन्यता की स्थापना का पर्व है।

वस्तुत- होली बहुत प्राचीन उत्सव है। इसको आरंभिक काल में 'होलाका' कहा जाता था। भारत के पूर्वी भागों में अभी भी यह शब्द प्रचलित है। %होलाका% उन 20 क्रीड़ाओं में से एक है, जो संपूर्ण भारत में कभी प्रचलित थीं। इसके अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा पर लोग श्रृंग से एक-दूसरे पर रंगीन जल छोड़ते हैं और सुगंधित चूर्ण बिखेरते हैं। लिंग पुराण इस पर्व को फाल्गुनिका कहकर संबोधित करता है एवं इसे विभूति व ऐश्वर्य प्रदायक पर्व मानता है। डॉ. रामानंद तिवारी हमारी जीवन संस्कृति में लिखते हैं- राग-रंग और उल्लास का यह पर्व अपनी व्यापकता,स्वच्छता और संपन्नता में अनुपम है। अनेक विशेषताओं से युक्त वर्ष का यह अंतिम पर्व जीवन में संस्कृति के पूर्ण समन्वय का द्योतक है। वैदिक यज्ञ और लोकोत्सव का एक अद्भुत समन्वय इससें मिलता है। होली के पर्व पर अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंचकर वर्ष की रागिनी नये वर्ष की नयी रागिनी को जन्म देती है। होली का नैसर्गिक संबंध ऋतु परिवर्तन से है। शिशिर और हेमंत कालीन शीत की ठिठुरन के बाद बसंत का आगमन उल्लास लेकर आता है। फाल्गुन मास व बसंत दोनों मिलकर प्रकृति में अपूर्व आंनद व उमंग का रंग घोलते हैं। कोयल की कूक, खिलते पुष्पों की सुगंध व आम्र मंजरियों की मादकता से भरा बहता पवन तन-मन में उत्साह एवं जीवन के प्रति एक नई दृष्टि का विकास करता है। प्रकृति के इन रूपों को देखकर मानव मन हर्षित हो उठता है एवं कभी कवि, कभी साहित्यकार,कभी कलाकारों के माध्यम से भावनाएं अभिव्यक्त होने लगती हैं। रत्नावली में कवि का वर्णन है कि होली पर्व के शुभावसर पर उड़ते हुए केशर मिश्रित गुलालों से उषाकाल का भ्रम हो रहा है। होली और भगवान श्रीकृष्ण का संबंध अटूट है। इसे साहित्य के प्रत्येक ग्रंथ में वर्णित देखा जा सकता है। गर्ग संहिता, फागुकाव्य, बसंतविलास, पृथ्वीराज रासो (चंदवरदाई कृत), सूरदास एवं परमानंद के काव्यों में मीरा-रसखान के दोहों में सभी जगह होली एवं कृष्ण का सरस, सजीव एवं सुन्दर चित्रांकन मिलता है। फाग विलास और फाग विहार रीतिकालीन नागरीदास कवि की दो रचनाएं होली पर प्रसिद्ध हैं। बिहारी, घनानंद, पद्माकर, केशव, सेनापति आदि सभी रीतिकालीन कवियों ने अपनी लेखनी से होली का रंग भरा है। भवभूति के मालती माधव नाटक में तो इसी पर्व का बड़ा सुन्दर चित्रण है। होली का त्योहार सामूहिकता के भाव की वृद्धि करने वाला है तथा संगठन और एकता को सुदृढ़ बनाने आता है। यदि यही उद्देश्य रखकर समता के इस पर्व को मनाया जाए तो आपस की असमतारूपी असुरता को होली में जलाकर नष्ट किया जा सकता है। होली के अनेक उद्देश्य व शिक्षाएं हैं, किंतु यहां इसके इतिहास के साथ-साथ एक पक्ष को ही स्पर्श किया गया है। एक सबसे बड़ी महत्वपूर्ण शिक्षा इस पर्व की यह है कि मनुष्य को दीन-दुर्बल और डरपोक होकर नहीं रहना चाहिए। सर्वदा इस संसार में नृसिंह की तरह निर्भय और वीर का जीवन जीना चाहिए। हमें श्रेष्ठता को, आदर्शों को अपनाना चाहिए और बुराई से लडने का साहस अपने अंदर जगाना चाहिए, तभी इस पर्व को मनाने की सार्थकता है।

तीन दिग्गज़ निर्देशकों के साथ काम करना चाहती है मधुरिमा तुली

पिछले कुछ वर्षों में मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए बहुत मेहनत की है। टीवी डेली सोप से लेकर रियलिटी शो, म्यूजिक वीडियो, ओटीटी और यहां तक कि फिल्मों का हिस्सा बनने तक, वास्तव में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसे मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अभी तक टैप नहीं किया है। मधुरिमा को हमेशा एक कलाकार के रूप में उनकी विश्वसनीयता के लिए जाना जाता है और इसलिए उनके पास शोबिज की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने के लिए सब कुछ है। मधुरिमा, जो पहले बेबी, नाम शबाना और अन्य जैसी सफल परियोजनाओं का हिस्सा रही हैं, से हाल ही में 3 निर्देशकों के बारे में पूछा गया था जिनके साथ वह काम करना चाहती हैं। इम्तियाज अली- वह व्यक्ति अपने स्वभाव और ऑन-स्क्रीन प्रतिभा के लिए जाना जाता है और जिस तरह से वह मनोरंजन और जीवन के एक टुकड़े के साथ एक सकारात्मक वाइब का मिश्रण करता है, वह वास्तव में दुर्लभ है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह हमेशा अभिनेताओं की सूची में उन सपनों के निर्देशकों में से एक के रूप में होते हैं जिनके साथ काम करना चाहिए।

करण जौहर- उनकी फिल्मों में हमेशा जीवन से बड़ा माहौल रहा है, जिसमें सौम्य और फैशन का मिश्रण होता है और उन्हें देश के सबसे बड़े निर्देशकों और निर्माताओं में से एक माना जाता है और उनका सम्मान किया जाता है। उन्होंने अतीत में अपनी फिल्मों के साथ जादू किया है और उनकी नवीनतम सफलता रॉकी और रानी। । । इसे पार्क से बाहर निकालने में भी कामयाब रही। वह एक नायिका की संवेदनशीलता और भावनाओं को समझते हैं और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि किसी भी अभिनेत्री के लिए उनके द्वारा निर्देशित फिल्म का हिस्सा बनना पूरी तरह से एक अलग खुशी है।

संजय लीला भंसाली- अंतिम लेकिन निश्चित रूप से कम से कम, हम खुद जादूगर के बारे में बात कैसे नहीं कर सकते? वास्तव में इस देश में कोई अन्य निर्देशक नहीं है जो महिलाओं को पर्दे पर संजय लीला भंसाली की तरह अधिक गरिमा, उत्साह, तेज-तर्रारता और आकर्षण के साथ प्रस्तुत करता हो। सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा और सौंदर्य के साथ एक मजबूत कला निर्देशन हमेशा एक निर्देशक के रूप में उनकी ताकत रहा है और इसलिए, कोई भी अभिनेत्री अपने जीवन के लिए उन पर भरोसा कर सकती है अगर उन्हें उनके द्वारा निर्देशित होने का अवसर मिलता है। कोई आश्चर्य नहीं, वह उसकी इच्छा सूची में बहुत अधिक है। खैर, मधुरिमा के पास जिस तरह की प्रतिभा और क्षमता है, उसे वास्तव में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने की जरूरत है क्योंकि जहां तक प्रदर्शन का संबंध है, केवल उन्हीं के पास उससे सर्वश्रेष्ठ निकालने की क्षमता होगी

महारानी सीजन 4 की शूटिंग शुरू, हुमा कुरैशी ने सेट से दिखाई अपनी पहली झलक

हुमा कुरैशी महारानी सीजन 4 के साथ वापस आ गई हैं। एक्ट्रेस ने सीरीज के सेट से एक बिहाइंड द सीन तस्वीर साझा किया है, जो यह दर्शाता है कि उन्होंने सीरीज के चौथे सीजन के लिए कमर कस ली है। इस तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। हुमा कुरैशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपमकमिंग वेब सीरीज महारानी सीजन 4 के बारे में अपडेट साझा किया है। उन्होंने सीरीज के सेट से अपनी एक तस्वीर पोस्ट किया है। साथ ही, सीरीज को प्यार देने के लिए फैंस और दर्शकों का आभार जताया है।

अपनी तस्वीर शेयर करते हुए हुमा कुरैशी ने कैप्शन में लिखा है, सीजन 4 का समय आ गया है। टीम महारानी वापस आ गई है। यह तस्वीर मेरी प्रोड्यूसर साहिबा डिंपल खरबंदा द्वारा क्लिक किया गया है। प्यारे दर्शकों को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद और आभार प्यार। तस्वीर में हुमा कुरैश ब्लैक टी-शर्ट, जिस पर महारानी इज बैक लिखा है, और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं।

कांगड़ा टॉकीज स्टूडियो ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर महारानी सीजन 4 के सेट से तस्वीरें साझा किया हैं और सेट पर हुमा कुरैशी का स्वागत किया है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, रानी को वापस वहीं लाना जहां उसका राज है। महारानी के सेट पर हुमा का स्वागत। पहली तस्वीर में हुमा कुरैशी अपने वैनिटी वैन के पास हाथों से सीजन 4 का साइन देते हुए कैमरे के लिए पोज दिया है। दूसरी तस्वीर में हुमा महारानी सीजन 4 की टीम के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। महारानी का पहला सीजन 2021 में आया। इस वेब सीरीज में हुमा कुरैशी ने रानी भारती की भूमिका निभाई है। रानी भारती एक गृहिणी और बिहार के मुख्यमंत्री भीमा (सोहम शाह) की पत्नी है। रानी को बस अपने घर और अपने पति की परवाह रहती है। वह अपने पति के बिहार के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अपना बैग पैक करके वापस गांव जाना चाहती है। हालांकि, उसकी जिंदगी तब बदल जाती है जब उसका पति उसे अपना उत्तराधिकारी घोषित करता है, जिससे हर कोई हैरान रह जाता है।

अगले सीजन में साजिशों, भ्रष्टाचार और खुद को राजनेता के रूप में साबित करने और सफल होने की उनकी यात्रा को दिखाया गया। महारानी का दूसरा सीजन 2022 में और तीसरा सीजन 2024 में प्रीमियर हुआ था।

राणा दग्गुबाती-प्रियदर्शी की फिल्म को मिला टाइटल, आनंदी-सुमा कनकला भी आएंगे नजर

फिल्म लीडर से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ने बाहूबली में भल्लालदेव के किरदार से दर्शकों के बीच अमिट छाप छोड़ी है। राणा जल्द ही प्रियदर्शन की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका टाइटल नाम सामने आ चुका है। अप्रैल 2024 में, श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी (एसवीसीएलएलपी) ने प्रियदर्शी अभिनीत एक रोमांचक नई परियोजना की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन उसका टाइटल तय नहीं हुआ था। यह फिल्म अब चर्चा में है क्योंकि निर्माताओं ने इसके शीर्षक का खुलासा किया है। फिल्म का टाइटल है प्रेमांटे। टैगलाइन थ्रिल-यू प्रास्तिरस्तु के साथ, फिल्म में आनंदी मुख्य महिला भूमिका में हैं, जबकि लोकप्रिय तेलुगु एंकर सुमा कनकला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रेमांटे का परिचय। थ्रिलर फिल्म है। एक अनोखी प्रेम कहानी की विशेषता-प्रियदर्शीपीएन और आनंदी अभिनेत्री के साथ इट्ससुमाकनकला द्वारा निर्देशित एक महत्वपूर्ण भूमिका में। लियोनट्रुजेम्स द्वारा रोमांचक संगीत यह परियोजना नवनीत श्रीराम के निर्देशन की पहली फिल्म और जाह्नवी नारंग की पहली प्रोडक्शन वेंचर है, जिन्हें हाल ही में पावर वुमेन 2024 पुरस्कार से सम्मानित

खूबसूरत साड़ी पहन सान्या मल्होत्रा ने दिखाईं दिलकश अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा अक्सर अपनी खूबसूरती से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

दंगल गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

सान्या मल्होत्रा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी सुंदर और हसीन नजर आ रही हैं। उनका यह कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से दीवाने हो गए हैं।

बालों को बांधकर, सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है। इंडियन हो या वेस्टर्न आउटफिट एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा अपने हर एक लुक में बेहद खूबसूरत नजर आती हैं। फैंस भी उनके हर एक लुक को काफी फॉलो करते हैं। सान्या मल्होत्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

मनुष्य का विकल्प नहीं हो सकती है एआई !

सुनील कुमार महला,

आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जमाना है।सच तो यह है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) दुनिया भर के उद्योगों और अनेक समाजों में आज तेजी से क्रांति ला रही है, तथा आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था में चल रही तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एक जानकारी के अनुसार भारत और संयुक्त अरब अमीरात में 90त्न से अधिक उपभोक्ता चैटजीपीटी से परिचित हैं, जबकि चीन और सऊदी अरब में जागरूकता का स्तर 80त्न से अधिक है। इस क्रम में हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट 2025 की सह-अध्यक्षता करने के लिये फ्राँस का दौरा किया। पेरिस एआई एक्शन समिट 2025 के मुख्य विषय क्रमश: सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के लिये खुले एआई बुनियादी ढाँचे का विकास करना,निरंतर सामाजिक संवाद के माध्यम से एआई का उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना,विशेष रूप से रचनात्मक उद्योगों के लिये सतत् एआई पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना, एआई सुरक्षा और संरक्षा पर वैज्ञानिक सहमति स्थापित करना तथा एक समावेशी और प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय एआई शासन ढाँचे को आकार देना थे।भारत ने ओपन-सोर्स और सतत् एआई की वकालत की, स्वच्छ ऊर्जा और कार्यबल के कौशल विकास पर ज़ोर दिया। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज ए.आई. वर्चस्व के लिए भयंकर वैश्विक लड़ाई छिड़ी हुई है। सच तो यह है कि आज दुनिया भर के देश एआई में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं, तथा इसे भविष्य की आर्थिक और सैन्य ताकत की आधारशिला के रूप में पहचान रहे हैं। जानकारी के अनुसार चीन ने वर्ष 2030 तक एआई में 150 बिलियन डॉलर निवेश

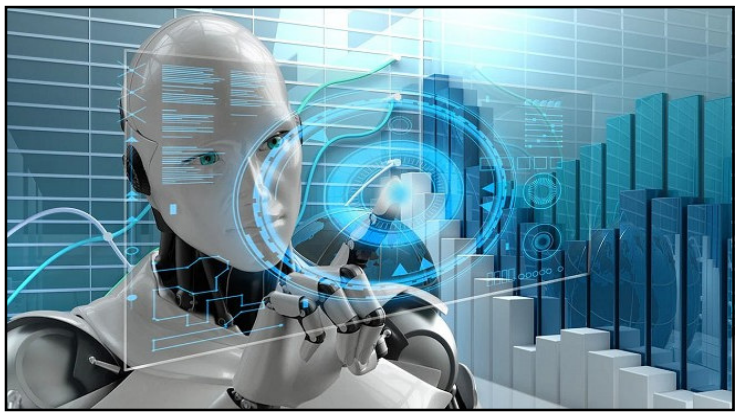

करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, वहीं दूसरी ओर रूस ने वर्ष 2021 और 2023 के बीच इसके लिए 181 मिलियन डालर आवंटित किए हैं।इसी क्रम में सऊदी अरब ने हाल ही में 40 बिलियन डालर के ए.आई. फंड की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार संयुक्त राज्य अमरीका ने संघीय एआई अनुबंधों में नाटकीय उछाल देखा, जो वर्ष 2022 में 355 मिलियन डालर से बढ़कर वर्ष 2023 में 4.6 बिलियन डालर हो गया।जानकारी मिलती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2030 तक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की 19.9 ट्रिलियन डॉलर की हिस्सेदारी होगी। यह आंकड़ा जहां एआई के बढ़ते प्रभाव का इशारा कर रहा है, वहीं यह आंकड़ा इस बदलते दौर में भारत के संभावित प्रभुत्व का भी संकेत देता है कि वर्तमान में दुनिया को 16 प्रतिशत एआई टैलेंट भारत ही दे रहा है। इतना ही नहीं, लगभग 75त्न उत्तरदाता चैटजीपीटी या अन्य एआई-संचालित सेवा का उपयोग कर रहे हैं, विशेष रूप से भारत जैसे बाजारों में, जहां चैटजीपीटी जैसे एआई उपकरणों का उपयोग करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत सबसे अधिक 45त्न है। आंकड़े बताते हैं कि एआई में वैश्विक निजी निवेश **2022** में 91.9 बिलियन डॉलर है और **2025** तक 158.4 बिलियन डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि स्टैनफोर्ड की **2024** एआई इंडेक्स रिपोर्ट ने उन शीर्ष देशों की पहचान की है, जिन्होंने पिछले दशक में एआई स्टार्टअप में सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि का अनुभव किया है। इनमें क्रमश: यूएस, चीन,यूके, इजरायल, कनाडा, फ्रांस, भारत, जापान, जर्मनी और सिंगापुर शामिल हैं। आज पूरी दुनिया एआई के लाभों को देखते हुए लगातार इस क्षेत्र में आगे बढ़ रही है लेकिन एआई के खतरे भी हैं। ये व्यक्तियों, संगठनों और पूरे समाज को प्रभावित कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि एआई सिस्टम की जटिलताएँ अनपेक्षित परिणाम, पूर्वाग्रह, गोपनीयता संबंधी समस्याएँ और सुरक्षा कमज़ोरियों को जन्म दे सकती हैं। एआई नैतिक(एआई निर्णयों में निष्पक्षता, जवाबदेही, पूर्वाग्रह और नैतिक दुविधाओं से संबंधित मुद्दे (जैसे, पक्षपातपूर्ण भर्ती एल्गोरिदम),सामाजिक(नौकरी का विस्थापन, गोपनीयता का हनन, तथा गलत सूचना का प्रसार, सामाजिक मानदंडों में व्यवधान), सुरक्षा(साइबर हमलों के प्रति संवेदनशीलता तथा स्वायत्त हथियारों और साइबर अपराध में एआई का दुरुपयोग), अस्तित्वगत जोखिमों(मानव बुद्धिमत्ता को पीछे छोड़ देना) आदि को जन्म दे सकती है।कई एआई मॉडल, खास तौर पर डीप लर्निंग सिस्टम, %ब्लैक बॉक्स% की तरह काम करते हैं, जिससे उनकी आंतरिक प्रक्रियाओं की व्याख्या करना मुश्किल हो जाता है।एआई मानव की भांति पारदर्शिता नहीं बरत सकती है। एआई सिस्टम स्वास्थ्य सेवा, वित्त या आपराधिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पक्षपातपूर्ण परिणामों को जन्म दे सकती है।एआई-संचालित रोबोट और सॉफ़्टवेयर मानव श्रमिकों पर निर्भरता कम कर रहे हैं।स्वचालन से कार्यकुशलता बढ़ती है, लेकिन इससे नौकरियां खत्म होने का भी खतरा है। एआई सिस्टम पूर्वाग्रहों और भेदभाव को मजबूत कर सकते हैं, क्यों कि ये फीड डेटा आधार पर काम करते हैं।आज जैसे-जैसे एआई सिस्टम अधिक व्यापक होते जा रहे हैं, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का नुकसान और निरंतर निगरानी के परिणामस्वरूप निगरानी वाला समाज बन सकता है।एआई से सुरक्षा जोखिम और साइबर सुरक्षा खतरे भी हैं।एआई सामाजिक हेरफेर और ग़लत सूचना को जन्म दे सकती है। इतना ही नहीं एआई निर्णय लेने में जवाबदेही का अभाव भी होता है।एआई सामाजिक-आर्थिक असमानता और शक्ति असंतुलन को जन्म दे सकती है।एआई मॉडल, खास तौर पर बड़े मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए, बहुत ज़्यादा कम्प्यूटेशनल पावर की ज़रूरत होती है, जिससे ऊर्जा की खपत बहुत ज़्यादा होती है।एआई विकास का समर्थन करने वाले डेटा सेंटर ऊर्जा-गहन होते हैं, जो कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण क्षरण में योगदान करते हैं।एआई सिस्टम यह तय करते हैं कि किसे प्राथमिकता चिकित्सा देखभाल मिलेगी या अपराध की भविष्यवाणी करना निष्पक्षता और मानवीय गरिमा के बारे में सवाल उठाता है।एआई-संचालित ड्रोन और हथियारों की तैनाती विनाशकारी परिणाम दे सकती है। एआई हथियारों की दौड़ का डर बढ़ रहा है, क्योंकि देश बेहतर स्वायत्त सैन्य प्रणाली विकसित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।एआई बौद्धिक संपदा (आईपी) की पारंपरिक धारणाओं को चुनौती देता है। जब एआई सिस्टम मूल कार्य उत्पन्न करते हैं - जैसे संगीत, कला या सॉफ़्टवेयर - तो यह स्पष्ट नहीं होता है कि उस सामग्री के अधिकार(स्वामित्व) किसके पास हैं। इससे आईपी कानूनों में अस्पष्टता पैदा होती है और पारंपरिक स्वामित्व मॉडल बाधित होते हैं। इतना ही नहीं एआई पर निर्भरता से मानवीय कौशल का ह्रास होता है।सुपरइंटेलिजेंस के नाम से जानी जाने वाली एआई प्रणाली द्वारा मानव बुद्धि को पार करने का विचार संभावित अस्तित्वगत जोखिम पैदा करता है। यदि एआई प्रणाली मानव मूल्यों के साथ गलत तरीके से स्वायत्त लक्ष्य विकसित करती है, तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। इसके अलावा आपराधिक गतिविधि और एआई का दुरुपयोग किया जा सकता है। एआई अनपेक्षित परिणाम और सिस्टम विफलताओं को जन्म दे सकती है। अंत में यही कहूंगा कि यह ठीक है कि आज एआई हमारी दुनिया में क्रान्ति ला रहा है।एआई ने हमारे रोज़मर्रा के कामों और चुनौतियों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को बदला है। मनुष्य को एआई के क्षेत्र में और आगे बढ़ने से पहले जरूरत इस बात की है कि वह इस बात को अच्छी तरह से समझे कि मशीनें हमेशा अपने यांत्रिक मस्तिष्क से काम करती हैं, जिसे मनुष्य द्वारा प्रोग्राम, डिजाइन किया जाता है। मनुष्य परिस्थिति को समझते हैं और उसके अनुसार प्रतिक्रिया करते हैं, जबकि मशीनों में समझने की क्षमता नहीं होती। सच तो यह है कि मनुष्य में भावनाएँ और संवेदनाएँ होती हैं, और वह अलग-अलग समय पर अलग-अलग भावनाएँ व्यक्त करता है। आज यदि मनुष्य, मशीन को वास्तविक इंसान समझता है तो यह वास्तव में एक प्रकार से मनुष्य का प्रकृति के साथ हस्तक्षेप ही कहलायेगा, क्यों कि मनुष्य, मशीनें बनाता है, मशीनें कभी भी मनुष्य को नहीं बनातीं हैं।

वैश्विक सम्मान का अद्भुत आयाम

भोपाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल निवेश और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इससे पूरे भारत के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। इसके साथ यह समिट वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश की छवि और सम्मान बढ़ाने का भी माध्यम बनी। यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके बहुआयामी लाभ होंगे। जिस प्रकार यह संसार दो प्रकार का है । एक दृश्यमान और दूसरा अदृश्यमान । सृष्टि की कुछ ऊर्जाएँ ऐसी हैं जो दिखाई नहीं देतीं फिर भी जीवन संचालन में सहयोगी होतीं हैं। उसी प्रकार निवेश इस इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों के आकार लेने के बाद इसका परोक्ष प्रभाव भी मध्यप्रदेश के समाज जीवन पर होगा। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने समिट आयोजन से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी की है और औद्योगिक विकास को विरासत से भी जोड़ा है। यह प्रदेश आध्यात्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोडक़र धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएँ जोडक़र इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भूक्षेत्र के रूप में उभरती है। लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिन्ह हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएँ बदलीं, नाम बदले लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है। यही कारण था कि हर काल-खंड विदेशी पर्यटक भारत आते रहे है। ह्वेनसाँग और फाह्यान से लेकर अल्बरूनी तक और कनिघंम से लेकर स्मिथ तक भारत आने वाला कोई शोधकर्ता ऐसा नहीं जो मध्यप्रदेश न आया हो। इन सबके लेखन में मध्यप्रदेश को समृद्धियों का उल्लेख है। मध्यप्रदेश के वैभव और समृद्धि की झलक कण कण में बिखरी है। इसे संजोने में वाकणकर जी ने अपना जिवन समर्पित कर दिया था। इन सभी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों की कहानियाँ, अनूठे चिन्ह, खनिज एवं वन्य संपदा की विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। यही प्रसिद्धि मध्यकाल मध्यप्रदेश के विनाश का कारण बनी थी। लगातार आक्रमणों से यह प्रदेश विपन्नता के अंधकार में डूब गया । ऐसा अंधकार कि इसकी छवि एक बीमारू राज्य की बन गई। स्वतंत्रता के बाद भी राजनैतिक कारणों से अनेक स्वरूप बदले गये। मध्यप्रदेश के वर्तमान स्वरूप की सीमाएँ नवम्बर 2000 में बनीं। और विकास की नई यात्रा आरंभ हुई। इसके साथ प्रदेश के औद्योगिक विकास पर जोर दिया गया। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने विकास यात्रा को नये आयाम दिये। डॉ मोहन यादव ने मोदी मंत्र विकास के साथ विरासत का अमल करते हुये अपने कदम आगे बढ़ाये। कार्यभार संभालने के पहले दिन से डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के इसमंत्र पर काम करना आरंभ किया और भारत को विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने केलिये मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये। यह तभी संभव है जब भारत का प्रत्येक प्रदेश विकसित और उन्नत हो। 24-25 फरवरी को भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसी दिशा में एक क्राँतिकारी कदम है। मध्यप्रदेश की यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अचानक आयोजित नहीं हुई। इससे पहले राज्य सरकार ने पर्याप्त होम वर्क किया था। यह होमवर्क तीनों प्रकार से हुआ । एक ओर मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में पानी, बिजली, परिवहन और भूमि की उपलब्धता का विवरण तैयार किया गया, दूसरी ओर भारत ही नहीं पूरे संसार के प्रतिष्ठित उद्योग समूहों से उनकी रुचि के उद्योगों को प्राथमिकता में रखकर चर्चा की गई और तीसरा मध्यप्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये । सरकार के केवल चौदह महीने के कार्यकाल में सात रीजनल इन्वेस्टर्स समिट संपन्न हुईं। इन तीनों प्रकार की तैयारी के बाद यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। इन चौदह महीनों में मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्तावों का मानों एक नया कीर्तिमान बनाया है। कुल 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 21.40 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

गर्मियों के दौरान डाइट में जरूर शामिल करें लीची

लीची गर्मियों में आने वाला फल है, जिसे दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे ज्यादा उगाया जाता है।खट्टे-मीठे स्वाद से भरपूर लीची विभिन्न विटामिन्स, खनिज और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं।इसे आप ऐसे ही खा सकते हैं या फिर जूस, स्मूदी, आइसक्रीम और कई तरह के व्यंजनों के तौर पर लीची को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।आइए जानते हैं कि लीची के सेवन से क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

विटामिन-का हैं बेहतरीन स्त्रोत

विटामिन- यानी एस्कॉर्बिक एसिड एक शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो शरीर के परिसंचरण तंत्र के लिए जरूरी होता है।विशेषज्ञों के मुताबिक, लीची में विटामिन-ष्ट की भरपूर मात्रा मौजूद होती है। बता दें कि 100 ग्राम लीची में लगभग 70 मिलीग्राम विटामिन-ष्ट होता है।अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, विटामिन-ष्ट के सेवन से स्ट्रोक का खतरा 42 प्रतिशत तक कम हो सकता है।

पॉलीफेनोल्स से होती हैं भरपूर

लीची में कई अन्य फलों की तुलना में अधिक मात्रा में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने, कैंसर का जोखिम कम करने और ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त लीची में रुटिन की मात्रा भी अधिक होती है।फूड केमिस्ट्री जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, रुटिन आर्थराइटिस और सूजन जैसी बीमारियों से बचाने में सहायता प्रदान कर सकता है।

पाचन के लिए हैं लाभदायक

पाचन क्रिया को स्वस्थ बनाए रखने में भी लीची का सेवन मदद कर सकता है।इसमें कई पोषण गुणों समेत भरपूर मात्रा में पानी मौजूद होता है और पानी भोजन पचाने में सबसे अहम माना जाता है। यह कब्ज, डायरिया और गैस जैसी समस्याओं से राहत दिलाने का काम करता है।इसके अतिरिक्त लीची में कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिस वजह से इसका सीमित मात्रा में सेवन वजन घटाने में भी सहायक है।

शरीर को हाइड्रेट करने में हैं मददगार

शरीर में पानी की कमी कई बीमारियों को आमंत्रित कर सकती है, इसलिए डॉक्टर हाइड्रेशन पर अतिरिक्त ध्यान देने की सलाह देते हैं।अगर आप रोजाना लीची का सेवन करते हैं तो यह शरीर को हाइड्रेट रखने में काफी मदद कर सकती हैं। इसका कारण है कि इसमें पानी की अधिकता होती है।इसके अतिरिक्त ये पेट को प्राकृतिक रूप से ठंडा रखने में भी सहायक हैं।यहां जानिए पेट की गर्मी को दूर करने वाले अन्य खाद्य पदार्थ।

ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में हैं प्रभावी

जब शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट और मुक्त कणों के बीच असंतुलन होता है तो इससे ऑक्सीडेटिव तनाव होने लगता है।आमतौर पर उम्र बढऩे की प्रक्रिया का एक हिस्सा माना जाने वाला ऑक्सीडेटिव तनाव शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकता है।हालांकि, लीची का सेवन इस समस्या से सुरक्षित रखने में भी मदद कर सकता है क्योंकि ये कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स का बेहतरीन स्त्रोत मानी जाती हैं, जो मुक्त कणों को शरीर से दूर कर सकते हैं।

ब्लैकबेरी बनाम ब्लूबेरी : इनमें से कौन-सी है ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक?

बेरी अपनी मिठास और स्वास्थ्य लाभों के लिए जानी जाती हैं। बेरी कई तरह की होती हैं, जिनमें सबसे प्रमुख ब्लैकबेरी और ब्लूबेरी हैं।ये दोनों ही बेरीज विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं और स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाती हैं।इन्हें स्वास्थ्य गुणों का पावरहाउस कहा जाए तो गलत नहीं होगा, लेकिन ब्लैकबेरी और ब्लूबेरी में से कौन से बेरी बेहतर हैं?आइए दोनों की तुलना करते हुए इसके बारे में जानते हैं।

किसमें होती है अधिक कैलोरी?

एक कप ब्लैकबेरी में लगभग 62 कैलोरी होती है। इसमें विटामिन, खनिज और पोषक तत्व होते हैं।ब्लैकबेरी विटामिन-सी का एक अच्छा स्त्रोत होता है और इसमें 30 प्रतिशत तक इसकी मात्रा होती है।दूसरी तरफ एक कप ब्लूबेरी में लगभग 84 कैलोरी होती है, जो ब्लैकबेरी के मुकाबले ज्यादा हैं।ब्लैकबेरी की तरह यह भी विटामिन-सी का एक अच्छा स्त्रोत है। इसके साथ ही इसमें विटामिन-के भी भरपूर मात्रा में पाई जाती है।

ब्लैकबेरी के सेवन से क्या लाभ मिलते हैं?

ब्लैकबेरी विटामिन-के का एक अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य और मैंगनीज के लिए आवश्यक है। मैंगनीज चयापचय और हड्डियों के निर्माण के लिए आवश्यक है।एक कप ब्लैकबेरी में लगभग 8 ग्राम फाइबर भी होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। फाइबर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।इसके अलावा ब्लैकबेरी में एंथोसायनिन भी होता है, जो याद्दाश्त को मजबूत करता है और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है।

ब्लूबेरी से क्या लाभ मिलते हैं?

ब्लूबेरी को एक सुपरफूड माना जाता है क्योंकि यह एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है।ये एंटी-ऑक्सीडेंट सूजन कम करते हैं, दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार करते हैं और हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करते हैं।इसके अलावा ब्लूबेरी का नियमित सेवन ब्लड प्रेशर को कम करके और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के स्तर को कम करके हृदय स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है। यह अधिक उम्र से संबंधित याद्दाश्त समस्याओं को भी कम करती है।

दोनों में से किसका सेवन बेहतर?

ब्लैकबेरी और ब्लूबेरी दोनों ही कई लाभ स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, जो उन्हें मूल्यवान बनाते हैं।इनमें से किसका सेवन करना आपके लिए बेहतर होगा, यह आपकी स्थिति और व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर कर सकता है।हालांकि, अगर इनमें से किसी एक का चयन करना है तो आप ब्लूबेरी चुन सकते हैं क्योंकि यह हृदय रोग और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करती है और समग्र स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाती है।

अनचाहे बालों को हटाने वाली वैक्स को घर पर बनाना है आसान

त्वचा के अनचाहे बालों को हटाने का एक लोकप्रिय तरीका वैक्सिंग न सिर्फ डेड स्किन को हटाता है बल्कि त्वचा को मुलायम और चमकदार भी बनाता है। हालांकि, यह तरीका दर्दनाक हो सकता है क्योंकि इस्तेमाल के दौरान इन्हें गरम करके त्वचा पर लगाया जाता है। आइए आज हम आपको घर पर पांच तरह की वैक्स बनाने के तरीके बताते हैं। इनके इस्तेमाल से आप बिना दर्द के वैक्सिंग कर सकेंगे।

चीनी वैक्स-चीनी वैक्स पार्लर वैक्सिंग की तुलना में कम दर्दनाक होता है और यह आपकी त्वचा को एक्सफोलिएट करने समेत इसे मुलायम बना सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में दानेदार चीनी, नींबू का रस, नमक और पानी एक साथ पिघलाएं। अब इस मिश्रण को उबालें और तब तक पकाते रहें जब तक कि यह कैरेमल जैसा रंग न ले ले। इसके बाद जब यह वैक्स गुनगुनी सी हो जाए तो इसका इस्तेमाल करें।

शहद की वैक्स-एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर शहद की वैक्स से भी आसानी से अनचाहे बालों से छुटकारा मिल सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक माइक्रोवेव सेफ बाउल में शहद, नींबू का रस और सफेद दानेदार चीनी को डालकर 30 सेकंड के लिए माइक्रोवेव में गरम करें। इसके बाद मिश्रण को अच्छे से मिलाने के बाद इसका इस्तेमाल वैक्स की तरह करें।

फलों की वैक्स-फलों से भी वैक्स बनाई जा सकती है और यह सभी तरह की त्वचा पर सूट करती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक गरम पैन में दानेदार चीनी, स्ट्रॉबेरी का जूस, नींबू का रस, नमक और पानी को मिलाएं। अब इस मिश्रण को उबालें और तब तक पकाएं जब तक यह अच्छे से गाढ़ा न हो जाए। इसके बाद फलों की वैक्स तैयार है।

चॉकलेट वैक्स-चॉकलेट वैक्स को बनाने के लिए कोको पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है। यह त्वचा को गहराई से साफ करने समेत ब्लड सर्कुलेशन को सुधारने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले गरम पैन में कोको पाउडर, दानेदार चीनी, ग्लिसरीन, नमक और नींबू के रस को मिलाकर मिश्रण को उबालें। इसे तब तक पकाते रहें जब तक कि मिश्रण गाढ़ा न हो जाए। फिर इसे ठंडा होने दें और यह तैयार है।

आत्मविश्वासी बनने के लिए खुद से प्यार करना है जरूरी

बहुत लोग ऐसा सोचते हैं कि खुद से प्यार आपको स्वार्थी और अहंकारी बनाता है, लेकिन यह सच नहीं है। अपने आप से प्यार नहीं करना आपको अपनी इच्छाओं और सपनों के प्रति कम आत्मविश्वास और अयोग्य महसूस कराता है। वहीं जब आप खुद से प्यार करते हैं तो आप ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करते हैं जिससे सपनों को पूरा करने में मदद मिलती है। आइए आज आत्मविश्वासी बनने के लिए खुद से प्यार करने के पांच टिप्स जानते हैं।

अपने शरीर का ख्याल रखें-आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों एक-दूसरे से बहुत जुड़े होते हैं। जब तक आप स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली धूम्रपान और शराब का सेवन जैसी आदतें नहीं छोड़ेंगे, तब तक आप आत्मविश्वास महसूस नहीं कर पाएंगे। इसके लिए आपको एक स्वस्थ आहार खाने, रोजाना एक्सरसाइज करने, योग का अभ्यास करने और पर्याप्त नींद लेने जैसे तरीके आजमाने चाहिए।

दूसरों से अपनी तुलना करना बंद करें-दूसरों के साथ खुद की तुलना करना एक स्वाभाविक व्यवहार है और इससे बचना आसान नहीं है। जब आप अपनी तुलना दूसरों से करते हैं तो आपको अपने खुद के विचार और सोच को महसूस करने में दिक्कत होती है। इसी वजह से आपको जब लगे कि आप अपनी तुलना दूसरों से कर रहे हैं तो खुद को वहीं रोक दें क्योंकि यह आपके आत्मविश्वास के लिए हानिकारक है।

माफ करना सीखें और खुद से नरम स्वभाव रखें-अगर आप हमेशा अपनी पुरानी गलतियों पर पछताते रहते हैं तो इससे आपका आत्मविश्वास कम हो जाता है। जब आपको लगता है कि आपने कोई गलती की है या किसी काम को करने में असफल हो गए हैं तो ऐसे में अपने आप से दया का व्यवहार रखें।

संगठन की मजबूती व अन्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस नेताओं की ज़ूम मीटिंग आयोजित

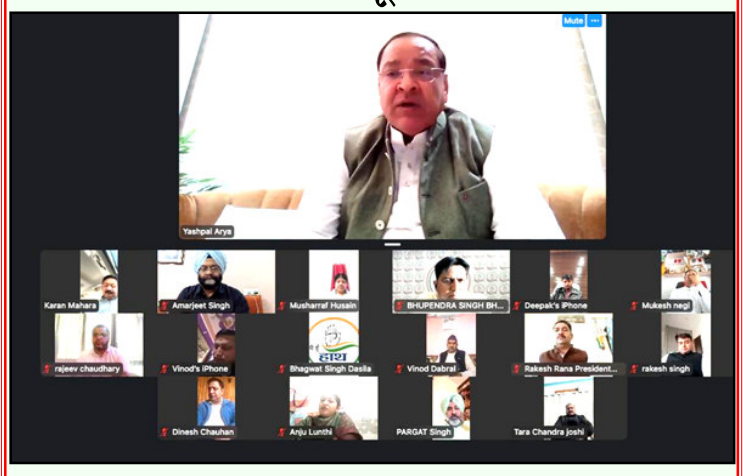

देहरादून ,संवाददाता । उत्तराखंड प्रदेश में भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध और पार्टी संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा के आह्वान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिला एवं महानगर अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण ज़ूम मीटिंग आयोजित की गई। इस बैठक में जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षगण, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उत्तराखंड सह-प्रभारी एवं विधायक परगट सिंह, तथा राष्ट्रीय सचिव एवं सह-प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, सहित नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने भाग लिया और अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को वरीयता के साथ लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम चुनाव के दौरान मतदाताओं के वोट जानबूझकर काटे गए थे, जिसके संबंध में सूचना के अधिकार के माध्यम से जानकारी मांगी जाएगी। प्राप्त सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी 21 और 22 मार्च 2025 को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जिला/महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ष्मेरा वोट, मेरा अधिकारष् ट्रेनर सचिन राव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों को आवश्यक मार्गदर्शन देंगे। माहरा ने जिला/महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक माह जिला एवं ब्लॉक स्तर पर बैठक के लिए एक निश्चित दिन तय किया जाए और बैठक की रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय को अनिवार्य रूप से भेजी जाए। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (न्ब्ब्) को महज एक छलावा करार दिया और कहा कि इसमें लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़ी बातों को शामिल कर उत्तराखंड की ष्देवभूमिष् की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा सरकार, अपने कुकृत्यों को छुपाने के लिए, इस प्रकार के हथकंडे अपनाकर जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं उत्तराखंड प्रभारी विधायक परगट सिंह ने बैठक में कहा कि सभी को एक टीम भावना के साथ कार्य करना होगा ताकि कांग्रेस पार्टी को मजबूत किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि 2027 में उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं और हमें अभी से चुनाव की तैयारियों में जुट जाना चाहिए। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं उत्तराखंड प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास भाजपा सरकार के खिलाफ कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिनमें वोटर लिस्ट में गड़बड़ी, लिव-इन रिलेशन, भू-कानून, रोजगार, कानून-व्यवस्था, पेपर लीक, और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध शामिल हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर जनता के साथ अधिक संवाद स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही देशभर के जिला/महानगर अध्यक्षों की अखिल भारतीय स्तर पर एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें उनके अधिकार सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी ष्सर्वधर्म समभावष् में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा गरीबों, अल्पसंख्यकों और असहाय लोगों की आवाज उठाई है और आगे भी जनकल्याणकारी मुद्दों को लेकर संघर्ष करेगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर चुनावों में धनबल और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं विधायक काजी निजामुद्दीन ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने मंगलौर उपचुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा धनबल के माध्यम से चुनाव जीतने का प्रयास कर रही है, जिसका कांग्रेस को कड़ा विरोध करना चाहिए। पूर्व सचिव प्रकाश जोशी ने सुझाव दिया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी को एक स्पष्ट एजेंडा तैयार करना चाहिए, जिसे जिला/महानगर एवं ब्लॉक अध्यक्षों को सौंपा जाए, ताकि उसी के अनुरूप कार्यक्रम तय किए जा सकें। इस ज़ूम मीटिंग में प्रदेश अध्यक्ष के सलाहकार अमरजीत सिंह, जिला कांग्रेस कमेटी पिथौरागढ़ की अध्यक्ष अंजू लुण्ठी, चंपावत के पूरन कठैत, बागेश्वर के भगवत सिंह डसीला, अल्मोड़ा के भूपेंद्र सिंह भोज, रानीखेत के दीपक सिंह किरोला, नैनीताल के राहुल छिम्वाल, उधमसिंहनगर के हिमांशु गावा, काशीपुर महानगर अध्यक्ष मुर्सरफ हुसैन, रुद्रपुर के सी. पी. शर्मा, हरिद्वार ग्रामीण के राजीव चौधरी, महानगर हरिद्वार के अमन गर्ग, देहरादून महानगर के डॉ. जसविंदर सिंह गोगी, परवादून के मोहित उनियाल, ऋषिकेश महानगर के राकेश सिंह, देवप्रयाग के उत्तम सिंह असवाल, टिहरी के राकेश राणा, पुरोला के दिनेश चौहान, पौड़ी के विनोद नेगी, कोटद्वार के विनोद डबराल, महानगर कोटद्वार के परवीन रावत, चमोली के मुकेश नेगी सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

नारी का सम्मान, परिवार समाज और राष्ट्र का सम्मान : रंजीता झा

समाजिक संस्था संकल्प सेवा परमो धर्म ट्रस्ट ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सम्मान एवं होली मिलन समारोह

हरिद्वार,संवाददाता। सामाजिक संस्था संकल्प सेवा परमो धर्म ट्रस्ट की अध्यक्ष रंजीता झा ने कहा नारी का सम्मान परिवार समाज और राष्ट्र का सम्मान है। जहां महिलाओं का सम्मान होता है वहां देवताओं के साथ सुख शांति और समृद्धि वास होता है। वहीं महिलाओं को कष्ट और पिला देने वालों का समूह लाश हो जाता है। रामायण और महाभारत इसके प्रत्यक्ष प्रमाण है। जहां माता सीता और देवकी और द्रोपदी को कष्ट देने वाले रावण , कंस और कौरवों के कुल का नाश हो गया था। संकल्प सेवा परमो धर्म ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री अवधूत मंडल आश्रम, बाबा हीरादास हनुमान मंदिर के प्रांगण में महामंडलेश्वर स्वामी डॉ संतोषानंद देव महाराज के सानिध्य मे अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में द्वितीय महिला सम्मान एवं होली मिलन समारोह का आयोजन भव्यता व दिव्यता के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान मातृ-शक्तियों में कमला जोशी समाजसेवी, उमा पांडे विंग हैड डीपीएस, रीना कटारिया हॉकी प्लेयर, अपराजिता उन्मुक्त कवियत्री, रंजना चतुर्वेदी महिला मोर्चा अध्यक्ष, सत्या फाउंडेशन, मनप्रीत, शिखा शिक्षाविद, मंजू कौर उपप्रधान, संगीता राणा वेट लिफ्टर, कीर्ति सिंह विंग हैड डीपीएस, सुनीता झा इमेक, नीलम राय कुशल गृहिणी, सुनीता उनियाल, महिमा शर्मा प्रोफेसर को शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रुप मे दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक आशीष गौतम, भैया जी, रंजीता झा एवं उनकी टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं परिवार की दूरी है और इनका मान सम्मान करने वाले परिवार की यश कीर्ति बढ़ती है। श्री ध्रुव चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल के संस्थापक बाबा बालक दास महाराज ने कहा शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। महामंडलेश्वर डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज ने कहा वर्तमान युग महिलाओं का है। अपनी प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में अपनी धाक जमा ली है। सड़क से लेकर संसद तक महिलाओं का बोलबाला है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि में मेयर किरन जैसल ने कहा आज की महिलाएं पुरुषों से किसी भी मामलें में कम नहीं है। परिवार की जिम्मेदारी उठाने में पुरूषों से किसी मामले में कम नहीं है। घर और बाहर की दोनों ही जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रही है। हरिद्वार विधायक मदन कौशिक ने कहा देश की दशा और दिशा बदलने में महिलाओं का विशेष योगदान है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा बदलते समय के साथ महिलाओं की भूमिका बदली है। घर की चारदीवारी से निकल कर महिलाएं परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवी जगदीश लाल पहावा तथा भाजपा नेता जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी सहित अन्य ने संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर पंडित कमलाकर शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चारण किया गया।इसके उपरांत गुरु भवानी और इंदु सिंह द्वारा प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ साथ अमित चौधरी द्वारा प्रशिक्षित महिला सेल्फ डिफेंस का कार्यक्रम, बेटी बचाओ व बेटी पढाओ पर नाट्य मंचन बाल मंदिर सीनियर सेकडरी स्कूल भेल हरिद्वार द्वारा प्रस्तुत किया गया । संकल्प ट्रस्ट द्वारा महिलाओ को रोजगार देने हेतु मुख्य अतिथियों के कर कमलो द्वारा संकल्प सत्तू को विभिन्न फ्लेवर मे लांच किया गया । कार्यक्रम का समापन होली मिलन में फूल वर्षा कर किया गया । कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन अभिनंदन गुप्ता जी व शिवनाथ तिवारी जी ने की। संकल्प सेवा परमो धर्म ट्रस्ट की अध्यक्ष रंजीता झा की अध्यक्षता व एवं उपाध्यक्ष मनोज द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा संस्था के सचिव तरुण शुक्ल के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के सलाहकार विनोद त्रिपाठी, रमेश पाण्डेय, वरिष्ठ सदस्य संतोष झा यतीश राठौर कोषाध्यक्ष सुधा राठौर, सहकोषाध्यक्ष संगीता वंसल, सह सचिव अर्चना झा सक्रिय सदस्य कमलाकर शास्त्री हरिनारायण त्रिपाठी चारु शुक्ला रीनू तोमर , ज्योति वर्मा ,सपना पंडित, अनीता गुप्ता, विनीता चौहान, ज्ञान प्रकाश सिंह, जितेंद्र दूबे , जे पी शुक्ला व अन्य टीम संकल्प के साथ सैकड़ो मातृशक्ति , बच्चे भाई बंधु, सामाजिक व्यक्तित्व मे पूर्वांचल उत्थान संस्था के अध्यक्ष सीए आशुतोष पाण्डेय, महासचिव बीएन राय, बृजेश शर्मा,अमित शाही, सुदीप सलूजा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

संगिनी क्लब ने धूमधाम से मनायी होली

हरिद्वार । संगिनी क्लब की ओर से आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं ने होली के गानों पर नृत्य किया।सभी लोगों ने मतभेद मिटाकर होली मनाने का आह्वान किया। संगिनी क्लब के संरक्षक महेश प्रताप सिंह राणा ने सभी लोगों को शुभकामनाएं दी। वीरेंद्र रावत ने कहा कि होली भाईचारे का त्योहार है। सभी को इसे मिलजुलकर मनाना चाहिए। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष ज्योति राणा कुशवाह, पूनम नेगी, हेमा रुहेला, सुनीता राणा, हुमा आबिद, कविता न्यूली, डेजी वर्मा, भावना राणा, ज्योति भट्ट, सरिता राणा, अदिति राजपूत, निभा खत्री, राजबीर सिंह चौहान, सीपी सिंह, बीएस तेजियान उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।